19 वीं शताब्दी के अकाल का सामाजिक जीवन पर प्रभाव : एक सर्वेक्षण

डॉ0 अमृत कुमार

19 वीं शताब्दी को अकालों की शताब्दी भी कहा जाता है। इस शताब्दी में आये अकालों ने व्यापक तौर पर समाज के सभी तबको को प्रभावित किया। राष्ट्रीय आंदोलन का उभरता स्वरूप समाज को बौद्धिक रूप से जागृत एवं सशक्त कर रहा था लेकिन इस समय में आये हुए अकालों के कारण काफी प्रभावित हुआ। समाज में रहने वाले जनमानस की सृजनशीलता एवं सोचने की क्षमता लगभग स्थिर हो गयी थी। बिहार की जनमानस इन अकालों से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए थे।

अकाल ने लोगों की शारीरिक स्थिति को काफी प्रभावित किया। मूल्यवृद्धि, खाद्यान्न पदार्थों की कम आपूर्ति एवं क्रयशक्ति के अभाव ने लोगों के जीवन को कमजोर एवं कुपोषित कर दिया था। लगभग 90 प्रतिशत लोगों का जीवन जो अनुदान राहत पर आधारित थे, आरम्भ से ही बहुत खराब थी। बिहार में जिस वर्ष सामान्य वर्षा होती थी उस वर्ष लोग ज्यादा रोग से प्रभावित होते थे क्योंकि वर्षा के कारण कुछ रोग जैसे मलेरिया तथा कालरा का प्रकोप ज्यादा होता था।